* U A - 0 0 4 9 *

UA-0049

Second Year B. A. Examination

February/March – 2012

Hindi - Paper - II

(हिन्दी नाट्य साहित्य)

Time : Hours] [Total Marks :

सूचना :

(१)

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.

Name of the Examination :

☛ **S. Y. B. A.**

Name of the Subject :

☛ **Hindi - 2**

☛ Subject Code No. : **0 0 4 9** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **NIL**

Seat No. :

Student's Signature

(२) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

१ 'करफ्यू' की कथा बताते हुए उसकी विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

१ 'करफ्यू' नाटक के आधार पर संजय के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

२ एकांकी के तत्वों के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

२ 'आखेट' एकांकी के आधार पर कर्ण की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

३ नाट्यकला के आधार पर 'करफ्यू' नाटक की आलोचना कीजिए।

अथवा

३ चारुमित्रा की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

४ टिप्पणीयाँ लिखिए :

(अ) मनीषा का चरित्र।

अथवा

'करफ्यू' नाटक में कविता का चरित्र।

(ब) 'सीमा–रेखा' शीर्षक की सार्थकता।

अथवा

'आवाज का नीलाम' एकांकी का उद्देश्य।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''सुन्दर है, विचित्र है, औरों की तरह नहीं है। सब यहीं से शुरु करते हैं, फिर तरह–तरह की बातें बनाते है। कोई राजनीति की, कोई आर्ट की, कोई औरतों की आज़ादी की। साले बदमाश, अपने–अपने बुने हुए जाल फेंकते हैं सब..''

अथवा

''हर कायर आदमी को एक सहारा चाहिए। बहाना चाहिए, इसके पहले कि वो चूहे से शेर बन सके।''

(ख) ''गरीब लाख ईमानदार हो तो चोर है, डाकू है और अमीर यदि आँखो में धूल झोंककर लाखों पर हाथ साफ़ कर जाए, चन्दे के नाम पर हजरों...!''

अथवा

''पर इस नाते–रिश्ते से उपर भी तो हम कुछ है, हम स्वतंत्र भारत की प्रजा हैं, हम स्वतंत्र भारत की प्रजा हैं, हम एक स्वतंत्र देश के नागरिक हैं हम इन्सान है।

(ग) ''तुम तुम हो, मैं मैं हूँ – यही तो कभी स्वीकार नहीं किया, तभी तो इतने झूठों की जरुरत पडी।''

अथवा

''जी हाँ! और इस आवाज के लिए अपने को बर्बाद कर दिया था, लेकिन जनता नये इंसान की आवाज नहीं सुनना चाहती। उसे सच्चाई की आवाज नहीं चाहिए। उसे चाहिए शौख कवर, भड़कीले चित्र, रंग–बिरंगे विशेषांक...''